

31/10/19

क. का डपय वकील पत्र कारण
 को कृष्ण बाबा प्राचीवित्त
 विवादा वृत्ति के विकारों
 स्वतंत्र कारककार के विधानानुसार
 अधिक स्वतंत्र कारककार को
 सपनी वृत्ति की सुरक्षा हेतु
 किसी अन्य को पाबन्द कराने
 का अधिकार प्राप्त है प्राचीवित्त
 विवादा वृत्ति के विकारों स्वतंत्र
 कारककार होने के विवादा
 वृत्ति के प्राचीवित्त के सम्बन्ध
 हेतु निहित है इस प्रकार
 ब्रह्म हेतुमा केवल सुनिश्चि
 का सन्तुलन पर अ पूर्ण
 वृत्ति का विधान प्राचीवित्त
 के हक के व सुखी साक्षात्कार
 द्वारा प्राची का प्राचीन पत्र
 अन्वयाधी विवेचना स्वीकार

7

